राधे कृष्ण की ज्योति अलोकिक

©Heygreetings.in

©Heygreetings.in

भजन

राधे कृष्ण की ज्योति अलोकिक,
तीनों लोक में छाये रही है ।
भक्ति विवश एक प्रेम पुजारिन,
फिर भी दीप जलाये रही है ।
कृष्ण को गोकुल से राधे को...
कृष्ण को गोकुल से राधे को,
बरसाने से बुलाय रही है ।

Read Online

©Heygreetings.in

दोनों करो स्वीकार कृपा कर,
जोगन आरती गाये रही है ।
दोनों करो स्वीकार कृपा कर,
जोगन आरती गाये रही है ।

©Heygreetings.in

Read Online

©Heygreetings.in

भोर भये ते सांज ढ़ले तक,
सेवा कौन इतनेम म्हारो ।
स्नान कराये वो वस्त्र ओढ़ाए
वो,
भोग लगाए वो लागत प्यारो
।
कबते निहारत आपकी
ओर...
कबते निहारत आपकी ओर,
की आप हमारी और निहारो
।

Read Online

©Heygreetings.in

राधे कृष्ण हमारे धाम को,
जानी वृन्दावन धाम पधारो ।

राधे कृष्ण हमारे धाम को,
जानी वृन्दावन धाम पधारो ।

Read Online